भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश, शिमला

एनआईसी हिमाचल प्रदेश अधिकारियों द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियां: 03-अगस्त-2024

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश के समस्त अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपनी इच्छानुसार प्रस्तुत किए जाने वाले 10 मिनट के तकनीकी विषयों की प्रस्तुति की श्रृंखला के रूप में, नवीनतम तकनीकी सत्र 03-अगस्त-2024 को आयोजित किया गया।

प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण, उनके विषय और रेटिंग, इस प्रकार हैं:

क्र.	नाम	पद	विषय	रेटिंग (5.0)
1.	श्री संजय कुमार	वैज्ञानिक-एफ	क्या AI वेब डेवलपर्स की जगह ले लेगा?	4.5
2.	श्री अखिलेश भारती	वैज्ञानिक-एफ	स्मार्ट होम प्रौद्योगिकी	4.4
3.	श्री संजय गुप्ता	वैज्ञानिक-ई	सर्विस प्लस	3.6
4.	श्री अजय सिंह चैहल	राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, वैज्ञानिक-जी	समूह प्रस्तुति	4.8
5.	श्री पृथ्वी राज	वैज्ञानिक-सी	तकनीकी समाचार	3.8

क्या एआई वेब डेवलपर्स की जगह ले लेगा?

श्री संजय कुमार जी, वैज्ञानिक-'एफ' ने इस विषय पर एक प्रस्तुति दी कि क्या एआई वेब डेवलपर्स की जगह ले लेगा, जिसमें वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाया गया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए शुरुआत की, जिसमें नौकरी पर इसका प्रभाव और कनेक्टेड डिजिटल इकोसिस्टम का उदय शामिल था।

श्री संजय कुमार जी व्याख्यान देते हुए

इसके बाद चर्चा में वेब विकास में एआई द्वारा लाई गई विशिष्ट प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया, जैसे कि स्वचालित कोड निर्माण, स्मार्ट सामग्री निर्माण एवं बुद्धिमान चैटबॉट और आवाज-आधारित इंटरैक्शन का विकास।

प्रस्तुति में इस बात पर बढ़ती चिंता व्यक्त की गई कि क्या एआई वेब डेवलपर्स की जगह ले लेगा, कोडिंग कौशल की प्रासंगिकता और वेब विकास में मानवीय स्पर्श को दोहराने की एआई की क्षमता पर सवाल उठाए गए। यह एआई द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति को स्वीकार करता है, लेकिन रचनात्मकता, जटिल समस्या-समाधान, मानवीय भावनाओं को समझना और विश्वास और डेटा सुरक्षा सहित इसकी सीमाओं को भी रेखांकित करता है।

प्रस्तुति में मानव डेवलपर्स के प्रतिस्थापन के बजाय वेब विकास को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में एआई का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया गया। एआई को निम्न-स्तरीय कार्य सौंपकर, डेवलपर्स अधिक नवीन और उपयोगकर्ता-केंद्रित परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिससे एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाला वेब विकास परिदृश्य बन सकता है।

स्मार्ट होम प्रौद्योगिकी

श्री अखिलेश भारती जी, डीआईओ मंडी ने स्मार्ट होम तकनीक का अवलोकन प्रस्तुत किया, इसके विभिन्न अनुप्रयोगों, लाभों और अंतर्निहित तकनीक पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्मार्ट होम तकनीक द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधा, ऊर्जा दक्षता, सुरक्षा और आराम पर प्रकाश डाला। प्रस्तुति में स्मार्ट होम समाधान अपनाते समय साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और अन्य सावधानियों के महत्व पर भी चर्चा की गई।

श्री अखिलेश भारती जी स्मार्ट होम टेक्नोलॉजी पर प्रस्तुति देते हुए

स्मार्ट होम तकनीक, जिसे होम ऑटोमेशन के नाम से भी जाना जाता है, घर के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने और निगरानी करने के लिए प्रौद्योगिकी का एकीकरण है, जिसमें प्रकाश व्यवस्था, तापमान, सुरक्षा, मनोरंजन और ऊर्जा प्रबंधन शामिल हैं। सेंसर, कंट्रोल यूनिट, एक्ट्यूएटर, वॉयस असिस्टेंट और स्मार्ट डिवाइस में उन्नति ने घर के वातावरण को बेहतर आराम और दक्षता के लिए स्वचालित और अनुकूलित करना संभव बना दिया है।

सर्विस प्लस

श्री संजय गुप्ता जी, वैज्ञानिक-ई ने सर्विस प्लस पर एक प्रस्तुति दी, जो नागरिकों को कुशलतापूर्वक इलेक्ट्रॉनिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक विन्यास योग्य, एकीकृत ढांचा है। प्रस्तुति में प्लेटफ़ॉर्म की कम-कोड प्रकृति, विभिन्न सेवा जीवनचक्रों में इसके अनुप्रयोग और सरकारी सेवाओं के लिए इसकी क्षमताओं पर प्रकाश डाला गया। इसने समर्थित सेवाओं के प्रकार, मुख्य विशेषताएँ, घटक, भाषाएँ, भूमिकाएँ, कार्य, क्रियाएँ, कवरेज, गेटवे, लाभ और सर्विस प्लस की सीमाओं को रेखांकित किया गया। सर्विस प्लस एक मेटाडेटा/वर्कफ़्लो-आधारित ई-सेवा वितरण प्रणाली का उपयोग करता है, जो कोडिंग की आवश्यकता को कम करता है और तेजी से विकास को सक्षम बनाता है। यह फॉर्म डिज़ाइन, दस्तावेज़ निर्माण, प्रक्रिया प्रवाह और सूचनाओं के लिए विभिन्न उपकरणों को एकीकृत करता है, जो डिजिलॉकर के माध्यम से कई एप्लिकेशन सबमिशन मोड और दस्तावेज़ प्रबंधन का समर्थन करता है। प्लेटफ़ॉर्म में मल्टी-टेनेंट आर्किटेक्चर और पेमेंट गेटवे और बाहरी सिस्टम के साथ एकीकरण भी शामिल है।

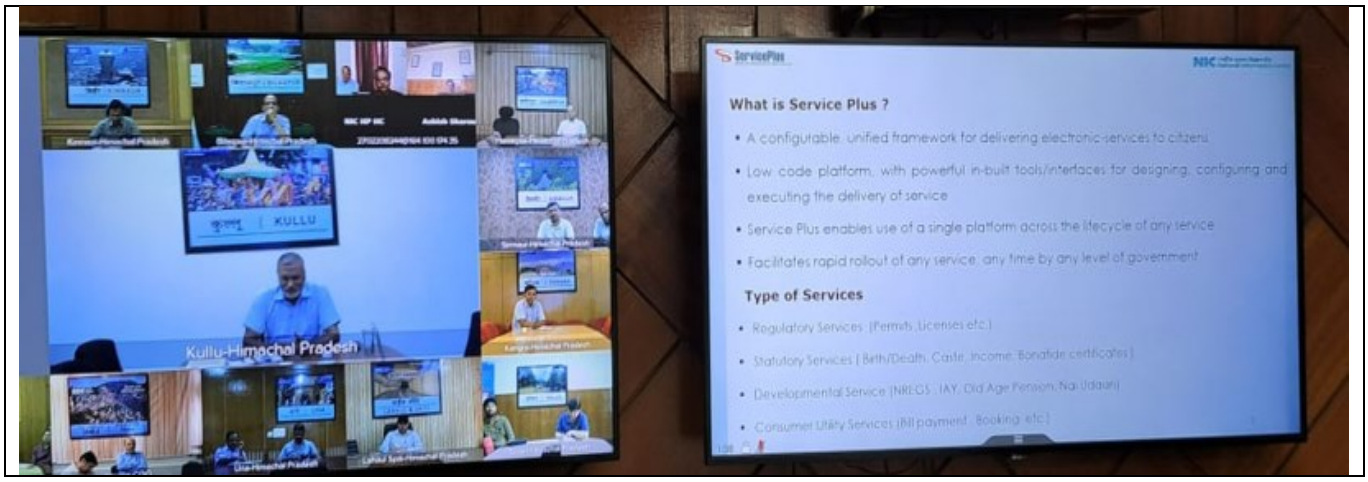

श्री संजय गुप्ता जी सर्विस प्लस पर प्रस्तुति देते हुए

समूह प्रस्तुति

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान अधिकारी, हिमाचल प्रदेश, एनआईसी एचपी पर समूह प्रस्तुति देते हुए

राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, हिमाचल प्रदेश ने प्रशासनिक व्यवस्था पर एक समूह प्रस्तुति दी। उन्होंने एनआईसी एचपी द्वारा चल रही परियोजनाओं और वर्तमान गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें दो एनआईसी एचपी परियोजनाओं के लिए डिजिटल इंडिया 2024 के ''जीईएमएस पुरस्कार'' और छह ''सीआईपीएस इनोवेशन पुरस्कारों'' के लिए नामांकन शामिल हैं। उन्होंने साइबर सुरक्षा को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की।

तकनीकी समाचार

श्री पृथ्वी राज नेगी तकनीकी समाचार देते हुए

श्री पृथ्वी राज जी, वैज्ञानिक-सी ने पखवाड़े में घटित हुयी तकनीकी खबरों पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि एक प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता पर रैनसमवेयर हमला हुआ था, जिसके कारण लगभग 300 छोटे भारतीय स्थानीय बैंकों के भुगतान सिस्टम को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। क्राउडस्ट्राइक फाल्कन सेंसर के हालिया अपडेट ने दुनिया भर के विंडोज उपयोगकर्ताओं के लिए बड़ी समस्याएँ पैदा कीं। इस अपडेट के कारण ब्लू स्क्रीन ऑफ़ डेथ (BSOD) लूप्स की समस्या उत्पन्न हुई और सिस्टम काम नहीं कर रहे थे। गूगल ने बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली के लिए एक एआई समाधान विकसित किया है जो मौसम पूर्वानुमान मॉडल, उपग्रहों और ग्राउंड स्टेशनों सहित कई स्रोतों से वर्षा डेटा एकत्र करता है।

मोबाइल ऐप पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों के आधार पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित ''हिंदी बोध'' मोबाइल ऐप पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में कुल 34 अधिकारियों ने भाग लिया। क्विज़ प्रतियोगिता में अधिकारियों द्वारा दी गई तकनीकी प्रस्तुतियों पर आधारित 14 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहे:

स्थान	प्रतिभागी का नाम	पद	नियुक्ति का स्थान
1st	श्री मंगल सिंह	वैज्ञानिक-डी	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश, सीजीओ कॉम्पलेक्स
2nd	श्री संजय कुमार	वैज्ञानिक-एफ	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश, सीजीओ कॉम्पलेक्स
3rd	श्री पृथ्वी राज	वैज्ञानिक-सी	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र

तकनीकी सत्र में भाग लेते एनआईसी एचपी के अधिकारी

राज्य सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन कम से कम पांच मिनट अपने कार्यों की रूपरेखा बनाने तथा भविष्य के कार्यों की योजना बनाने में व्यतीत करें।

सभी अधिकारियों से अनुरोध है कि वे समय-सीमा का पालन करें, तकनीकी वार्ता को 10 मिनट तक सीमित रखा जाए एवं समूह प्रस्तुति तथा तकनीकी समाचार को 5 मिनट तक सीमित रखा जाए। सभी प्रस्तुतियाँ आवंटित समय-सीमा के भीतर पूरी होनी चाहिए।

जैसा कि निर्णय लिया गया है कि निम्नलिखित एनआईसी अधिकारी आगामी शनिवार, 17 अगस्त 2024 को होने वाली बैठक के दौरान अपनी पसंद के विषय पर एक तकनीकी वार्ता प्रस्तुत करेंगे।

क्र.	प्रतिभागी का नाम	पद	नियुक्ति का स्थान
1.	श्री संजय शर्मा	वैज्ञानिक-एफ	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र
2.	श्री शैलेन्द्र कुमार	वैज्ञानिक-एफ	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र
3.	श्री अश्विनी कुमार	वैज्ञानिक-ई	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, जिला केंद्र, मंडी

इसके अतिरिक्त, तकनीकी वार्ता सत्र के दिन श्री ललित कपूर परियोजनाओं पर आधारित प्रस्तुति देंगे तथा श्री मंगल सिंह द्वारा 5 मिनट का तकनीकी समाचार अपडेट दिया जाएगा। प्रस्तुति के बाद, तकनीकी वार्ता और तकनीकी समाचार पर चर्चा के लिए 10 मिनट का समय आवंटित किया जाएगा।

03-08-2024 को तकनीकी वार्ता में निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित थे:

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र		
क्र.	**नाम**	**पद**
1	श्री अजय सिंह चहल	राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, वैज्ञानिक-जी
2	श्री ललित कपूर	वैज्ञानिक-एफ
3	श्री संजय कुमार	वैज्ञानिक-एफ
4	श्री संजय शर्मा	वैज्ञानिक-एफ
5	श्री विजय कुमार गुप्ता	वैज्ञानिक-एफ
6	श्री विमल कुमार शर्मा	वैज्ञानिक-एफ
7	श्री शैलेन्द्र कुमार	वैज्ञानिक-एफ
8	श्री संदीप कुमार	वैज्ञानिक-ई
9	श्री दलजीत सिंह राणा	वैज्ञानिक-ई
10	श्री संजय ठाकुर	वैज्ञानिक-ई
11	श्री आशीष कुमार	वैज्ञानिक-डी
12	श्री मंगल सिंह	वैज्ञानिक-डी
13	श्री सर्वजीत कुमार	वैज्ञानिक-सी
14	श्रीमति वंदना देवी	वैज्ञानिक-सी

15	श्री मुकेश कुमार	वैज्ञानिक-डी
16	श्री पृथ्वी राज	वैज्ञानिक-सी
17	श्री चुन्नी लाल	वैज्ञानिक-सी
18	श्रीमति पूजा मान	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
19	श्री हिमांशु गुप्ता	स्टेनोग्राफर ग्रेड-III
जिला केंद्र, बिलासपुर		
20	श्री राजेश कुमार	वैज्ञानिक-डी
जिला केंद्र, हमीरपुर		
21	श्री अनुराग गुप्ता	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, कांगड़ा		
22	श्री अक्षय मेहता	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, किन्नौर		
23	श्री बलवान सिंह	वैज्ञानिक-डी
जिला केंद्र, कुल्लू		
24	श्री संजय गुप्ता	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, लाहौल-स्फीति		
25	श्री जगदीप	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
जिला केंद्र, मंडी		
26	श्री अखिलेश भारती	वैज्ञानिक-ई
27	श्री अश्विनी कुमार	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, शिमला		
28	श्री पंकज गुप्ता	वैज्ञानिक-एफ
29	श्री दीपक कुमार	वैज्ञानिक-सी
जिला केंद्र, सिरमौर		

30	श्री विजय कुमार	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, सोलन		
31	श्री संजीव कुमार	वैज्ञानिक-सी
32	श्री स्वेतांश सतक	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी
जिला केंद्र, ऊना		
33	श्री संजीव कुमार	वैज्ञानिक-ई
34	श्री भुपिंदर सिंह	वैज्ञानिक-डी